मछली और हाथी

The Fish and the Elephant

पात्र

● मछली ● हाथी ● शेर

दृश्य - 1

(मंच के बीचों-बीच एक चौथाई हिस्से में झील का दृश्य है और बाकी में जंगल का। झील में पानी के नीचे कुछ नुकीली चट्टानें हैं और एक छोटी-सी मछली झील के पानी में डुबकियां लगा रही है। दूसरी ओर कुछ मोटी झाड़ियां देखी जा सकती हैं। जंगल में एक भारीभरकम हाथी टहल रहा है। हाथी की सूंड पृष्ठभूमि में संगीत की लय पर हिल रही है। अब झील पर प्रकाश मंद होने लगता है और जंगल पर प्रकाश के रंग के बदलने से जंगल का रंग बदलता है। संगीत मंद हो जाता है और हाथी मस्ती में नाचने लगता है)।

सूत्रधार : मित्रों! मैंने आज तक इतना मस्त हाथी नहीं देखा। वह बहुत ताकतवर व शक्तिशाली है पर वह अपनी ताकत का उपयोग या तो खेल के लिए, पेड़ों को तोड़ने के लिए करता है या फिर अन्य जानवरों को बेवकूफ बनाने के लिए करता है।

(हाथी जंगल के अंदर नाच करता है।)

जंगल के दूसरी ओर झील थी। झील का पानी बहुत मीठा था। गर्मी के दिनों में पानी ठंडा रहता था । इसी तालाब में एक चंचल और नटखट मछली रहा करती थी... जब उसने पानी में डूबे हाथी के भारी भरकम पैर देखे तो वह आश्चर्य में पड़ गई। उसके पास जाकर पानी के बाहर मुँह निकाला... हाथी जैसे भारी भरकम जानवर को इतनी बड़ी सूंड के साथ देख कर वह चकित रह गई...

मछली : अरे! इतना बड़ा... जानवर! *(मछली पानी में एक-दो बार डुबकियां लगाती है। फिर लगभग पानी के बाहर तक आ कर)* ए... भाई... तुम कौन हो?

(हाथी आवाज़ सुनकर चकित हो जाता है वह मुड़कर इधर-उधर देखता है पर जब उसे कोई दिखाई नहीं देता तो वह अपना सिर हिलाता है)

मछली : *(उछल कर)*... अरे मैं बोल रहीं हूं... अपने पीछे क्या देखते हो! ज़रा नीचे देखो। *(हाथी नीचे देखता है)* कौन है तू?

हाथी : मै जंगल का राजा हूं। मैं सबसे ताकतवर जानवर हूं।

(मछली फिर दो-तीन डुबकी लगाती है। और इस बार जैसे ही पानी के बाहर मुहँ निकालती है, हाथी अपनी सूंड से उसे पकड़ लेता है) और अब तुम बताओं कि तुम कौन हो!

CHARACTERS

● Fish ● Elephant ● Lion

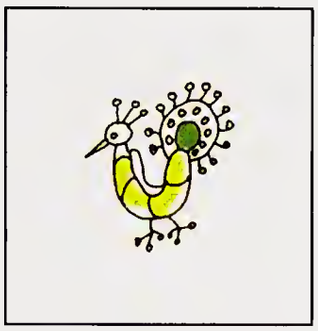

SCENE-I

(As the curtain rises, we see a forest scene on the stage. There is a lake on one side of the forest. The lake covers nearly one fourth of the stage. There are sharp rocks under the water and a small fish is swimming in the lake. On the other side some thick bushes can be seen. A large elephant is roaming in the forest. His trunk swings with the sweet music in the background. Now the light on the lake gets dim. With the gradual change of light, the music softens and the elephant dances rhythmically)

NARRATOR : Friends! This elephant is the most carefree elephant I have ever come across. He is very powerful and strong but all he uses his strength for is either to uproot trees just for fun, or to bully other animals.

(The elephant dances around in the forest)

... At the other end of the forest, there was a lake. The lake had very sweet water. The water remained cool even in summer. In this lake there lived a naughty little fish ... On seeing the lake the elephant came to drink water. .. When the fish saw such large feet in the water, she was really very surprised. She came out of the water and was astonished to see such a large animal with a long trunk.

FISH : O God! What a huge animal! *(dives back and again comes out)* Hey you there! Who are you?

(The elephant is surprised to hear a voice. He turns but on seeing no one around, shakes his head)

FISH : *(Jumping)* This is me. Why are you looking behind yourself ? *(The elephant looks down)*. Who are you?

ELEPHANT : I am the king of this jungle. I am the most powerful animal *(The fish dives back in water. As she comes out, the elephant catches her with his trunk)* Now you tell me, who are you?

मछली : मैं इस झील की रानी हूं। मैं भी सबसे बलवान जानवर हूं। क्या समझे?

हाथी : *(आश्चर्य से)* एं!

मछली : मुझे छोड़ो तो मैं तुम्हें कुछ और बताऊं...।

(जैसे ही हाथी मछली को छोड़ देता है, मछली पानी में डुबकियां लगाती है। कुछ देर तैरने के बाद मछली पानी के बाहर मुंह निकालती है...)

हाथी : तो... तुम क्या बता रही थीं...?

मछली : ओह हां।

हाथी : फिर आगे बताओं।

मछली : हां... अब मेरा बात करने का मन नहीं है।

हाथी : *(गुस्से से)* ऐ, मछली मेरी बात का जवाब दे। तुझे मेरा सम्मान करना चाहिए। जानती नहीं मैं जंगल का राजा हूं...।

FISH	:	I am the queen of this lake. I am the strongest animal in this lake. Do you follow me?
ELEPHANT	:	*(With surprise)* Hmm ... !
FISH	:	Just leave me and I'll tell you more.
		(As soon as the elephant leaves her, the fish dives in the water. After swimming for a while, she again comes out)
ELEPHANT	:	So, you were telling me something.
FISH	:	Uh! ... yes.
ELEPHANT	:	Well, then continue.
FISH	:	Hmm! ... I don't feel like talking now.
ELEPHANT	:	*(Angrily)* I demand an answer. You should respect me ... I am the king of the jungle.

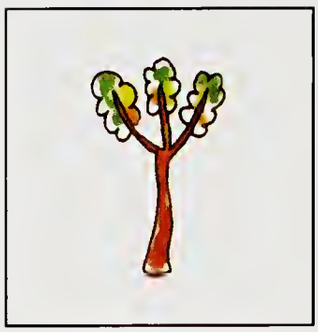

मछली : जानती हूँ...!

(मछली पुनः डुबकियां लगाती है, उसे डुबकी लगाते देख हाथी पानी की ओर गुस्से से घूरता है)

हाथी : मुझे परेशान करने वाली छोटी-सी मछली! बाहर आओ। सुना नहीं! मैंने क्या कहा...?

मछली : सुना... पर मुझे क्या?तुम यदि जंगल के राजा हो तो मैं झील की रानी हूं। मैं तुम्हारी सहायक नहीं हूं।

हाथी : क्या! तू अपने को मेरे बराबर समझती है। तू इतनी छोटी-सी है, तेरा मेरे साथ क्या मेल है?

(हाथी वापस जाने लगता है)

मछली : अरे हाथी भाई! आप बड़ी गलतफहमी में हो भाई।

हाथी : मैं गतलफहमी में नहीं हूं। मैं जानता हूं मेरे साथ तुम्हारा कोई मेल नहीं।

मछली : तो क्या! मैं भी तो जल की रानी हूँ...।

हाथी : मैं किसी भी अन्य जानवर से ज्यादा बलवान हूँ। देखी है मेरी ताकत... बड़े-बड़े पेड़ों को मैं उखाड़ कर फेंक देता हूं... हा हा! अरे तू पानी से बाहर तो आ नहीं पाती और कहती है कि मेरे बराबर है।

मछली : ओ हाथी! घमंड़ बहुत बुरी चीज़ होती है। तुम बहुत बलवान हो... पर हमेशा अकलवान, बलवान से कहीं ज्यादा बलवान होता है। अकलवान की ही जीत होती है।

हाथी : *(हंस कर)* तू समझती है कि तू मुझे हरा सकती है? हा! हा! हा!

मछली : *(गुस्से से)* तो तुम्हें मुझ पर यकीन नहीं आता? फैसले पर आने के लिए मैं अपनी ताकत की परीक्षा देने के लिए तैयार हूं।

हाथी : *(आश्चर्य से)* फैसला... कैसा फैसला...?

मछली : अरे! तुम जंगल के राजा हो और मैं झील की रानी हूं। आओ इस बात का फैसला हो जाए कि दोनों में से कौन ज्यादा बलवान है?

हाथी : *(अपने आप से)* यह क्या मज़ाक है! इसमें फैसले की क्या बात है। मैं भली प्रकार जानता हूं कि मैं ज्यादा बलवान हूं। *(मछली से)* ...ठीक है... हो जाए फैसला!

मछली : तो फिर प्रतियोगिता के लिए दिन तय कर लो!

हाथी : *(उत्साहित होकर)* मैं कल शाम को आऊंगा। फिर हम फैसला करेंगे।

FISH : I know that.
(She dives back. The elephant stares at the water angrily)

ELEPHANT : Come out you little trouble maker. Didn't you hear what I said?

FISH : I don't care. If you are the king of the jungle, I am the queen of this lake. I am not your subordinate.

ELEPHANT : What! You call yourself my equal. You are such a puny creature. You are no match for me.
(He starts to go away)

FISH : You are sadly mistaken, elephant.

ELEPHANT : I am not. I know you are no match for the king of the jungle.

FISH : So what, I am also the queen of this lake?

ELEPHANT : I am much more powerful than any other animal. I can uproot big trees with ease ..... Ha, ha! You can't even come out of water and you want to say that you are my equal.

FISH : Pride is a very bad thing, O elephant. I agree that you are powerful but it is always the wise who win.

ELEPHANT : *(Laughing)* You think you can beat me. Ha, ha, ha!

FISH : *(Offended)* So you don't believe me. I challenge you to a trial of strength to arrive at a decision.

ELEPHANT : *(Surprised)* Decision! What decision?

FISH : You are the king of the jungle and I am the queen of this lake. We will decide who is more powerful.

ELEPHANT : *(To himself)* Nonsense. What is there to decide? I know very well that I am definitely more powerful... *(to Fish)* OK! I accept your challenge.

FISH : Then let us fix a date for the contest.

ELEPHANT : *(Enthusiastically)* I will come tomorrow evening. Then we will decide.

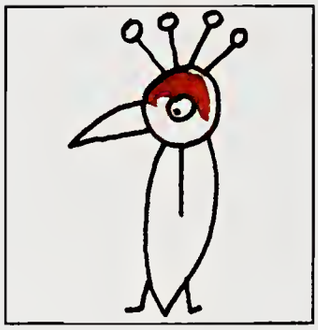

मछली : ठीक है... पर याद रखना कि तुम्हें आना है।

(मछली फिर डुबकियां लगाने लगती है। हाथी हिलता-डुलता मंच के बाहर चला जाता है। झील पर प्रकाश कम हो जाता है। और मंच के दूसरे छोर पर झाड़ियों पर प्रकाश पड़ता है। उन झाड़ियों से एक शेर निकलता है।)

शेर : *(अपने आप से)* हा! हा! अब मजा आएगा, बड़ा अकड़-अकड़ कर फिरता है। मैं हमेशा इस हाथी को हारते देखना चाहता हूं। हाथी को अपने पर बहुत घमंड है। यदि मैं मछली को किसी तरह जीतने में मदद करता हूं तो उसे कितनी शर्म आएगी, जब वह छोटी-सी मछली से हार जाएगा। यह इस जीवन का अच्छा मौका है। पर मैं इस समय क्या कर सकता हूं। कुछ रास्ता निकालना होगा।

(शेर नीचे बैठता है और योजना बनाता है। अब झील पर प्रकाश पड़ता है।)

मछली : हे भगवान... यह मैंने क्या किया! मैं कैसे जीतूंगी? वह जरूर मुझसे ताकतवर है... अब मैं क्या करूं? मुझे तो मदद करने वाला भी कोई नहीं है। *(मंच पर प्रकाश फैलता है।)*

शेर : *(मछली से)* मैं तुम्हारी मदद करूंगा।

मछली : तुम?

शेर : हां! मैं। तुम हाथी को हराने की चिन्ता में पड़ी हो ना? ठीक है।

मछली : हां...हां... पर तुमको कैसे मालूम?

शेर : *(झाड़ी की ओर इशारा करके)* मैं उस झाड़ी के पीछे छिप कर तुम्हारी और हाथी की बातें सुन रहा था। पर फिक्र मत करो मैं भी उसे हराना चाहता हूं। मैं तुम्हारी मदद करूंगा।

मछली : ठीक है। पर तुम मेरी मदद कैसे करोगे?

शेर : मेरी योजना को ध्यान से सुनो। मैं तुम्हें एक उपाय बताता हूं। तुम दोनों ताकत आजमाने के लिए रस्सी खींचना। दोनों में से पहले जो थक जाएगा या गिर जाएगा वह हारा माना जाए। क्यों?आई बात समझ में?

मछली : आई तो पर... मैं सोचती हूं उस भारीभरकम हाथी को हराऊँगी कैसे?

शेर : *(हंस कर)* तुम चिंता मत करो। तुम ही जीतोगी। बस, तुम एक काम करना जब रस्सी खींचने का समय आये तब तुम रस्सी को पानी के भीतर किसी चटट्ान से बांध देना, हाथी रस्सी खींचते-खींचते

FISH : I agree. But be sure that you come.
(The fish dives back in water. The elephant goes off the stage. The lights on the lake start fading out while the lights fall on the bushes at the other end of the stage. A Lion comes out of these bushes)

LION : *(To himself)* Ha, ha! Now comes my chance. I always wanted to see this elephant lose. He is so very sure of himself. If I can somehow help the fish win, how ashamed he would be to lose to a tiny fish. This is a chance in a lifetime ... But what can I do in this? There has to be a way out.
(The lion sits down and tries to think of a plan. The lights now concentrate on the lake)

FISH : O God! What have I done? How am I going to win? He certainly is more powerful. .. Now what should I do? There is no one to help me either *(the lights spread over the stage)*

LION : I'll help you.

FISH : You?

LION : Yes. Do you want to beat the elephant? Right.

FISH : Yes, yes! But how do you know that?

LION : *(Pointing at the bush)* I was hiding there and listening to your conversation. I also want the elephant to lose. You don't worry. I will help you.

FISH : All right. But how will you help me?

LION : Listen carefully to my plan. You both hold one end each of a rope and pull it. Whoever falls or gets exhausted first will be the loser.

FISH : But how am I going to win? He is so powerful, he will easily win.

LION : *(Laughing)* Don't worry! You will win. You just tie your end of the rope to some underwater rocks. So you will just have to

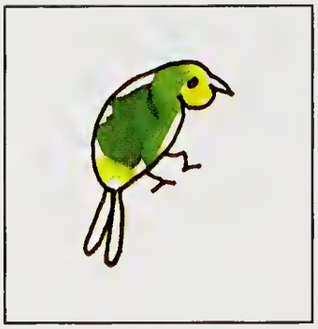

थक कर हार जाएगा... समझी। और हां! मैं कल सवेरे आकर एक रस्सी इस झील के किनारे रख जाऊंगा और जाकर उस झाड़ी के पीछे छिप जाऊंगा *(झाड़ी की ओर इशारा करते हुए)*

मछली : *(उल्लसित होकर)* ओह! तुम कितने अच्छे हो! अब मैं जरूर जीतूंगी (वह खुश होकर पानी में तैरती है। और शेर भी उछलता-कूदता मंच से बाहर चला जाता है।)

दृश्य - 2

(मछली तेजी से पानी में डुबकियां लगा रही है। तालाब के किनारे रस्सी पड़ी है) हाथी झील के पास आता है।

हाथी : ऐ मछली! कहां है तू? बाहर आ।

मछली : *(पानी के बाहर मुंह निकाल कर)* मैं यहां हूं।

हाथी : चल, हो जा तैयार, ताकत आजमाने के लिए।

मछली : अरे मैं तो कब से तैयार हूं... *(मछली कूद कर किनारे रखी रस्सी पर बैठती है और फिर पानी में डुबकी लगाती है)* ये ले रस्सी...

हाथी : रस्सी? इस रस्सी से क्या करेंगे?

मछली : हम इस रस्सी को खीचेंगें और जो कोई भी पहले थकेगा वही हारेगा।

हाथी : ठीक है। जैसा तुम चाहो? मैं तैयार हूं।

(मछली आराम से वापस डुबकी लगाती है और एक बड़ी चट्टान से रस्सी बांध देती है। फिर, वह वापस ऊपर आ जाती है)

मछली : अरे! तुमने अब तक रस्सी खींचना शुरू नहीं किया। मुझे तो लगा था तुम तैयार हो। कोई बात नहीं, अब रस्सी खींचना शुरू करो।

हाथी : यह तो कुछ ही समय की बात है। हा! हा! हा! तुम अपनी हार मानने के लिए तैयार हो जाओ।

(हाथी रस्सी खींचने का बहुत प्रयत्न करता है। जब वह रस्सी नहीं खींच पाता तो वह कूद कर अपने पूरे जोर से रस्सी को खींचता है)

(मंच के पीछे से ध्वनि का प्रभाव आता है)

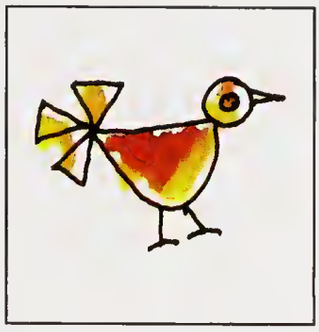

hold the rope while the elephant will keep on pulling till he gets exhausted, understood. Ha, ha, ha! And remember I will bring a rope tomorrow morning and then hide behind that bush *(pointing the bush.)*

FISH : *(Thrilled)* Oh, how nice of you! Now I will definitely win. *(She swims happily in the water. The lion also goes out of the stage)*

SCENE-II

(The fish is swimming in water and a rope is kept near the lake. The elephant comes towards the lake.)

ELEPHANT : Hey fish! Where are you? Come out.

FISH : *(Coming out of the water)* Here I am.

ELEPHANT : Are you ready for the contest?

FISH : I have been waiting for you. *(The fish jumps out of the water, grabs one end of the rope and jumps back in the lake)* ... Hold the other end of this rope.

ELEPHANT : Rope? What will we do with this?

FISH : Let us pull this rope and whoever gets exhausted first will be the loser.

ELEPHANT : Well! As you wish. I am ready.

(The fish dives back swiftly and ties the rope to a big rock. Then, she comes back on the surface.)

FISH : Oh! You didn't start pulling yet. I thought you were ready. Anyway, now start pulling.

ELEPHANT : It's just a matter of seconds. Ha, ha, ha! Be ready to accept your defeat. *(The elephant tries hard to pull the rope. When he cannot budge it he gets furious and jumps around as he pulls with all his might.)*

(Sound effects back stage)

(मछली शांति से रस्सी का दूसरा सिरा पकड़ती है और ऐसे दिखाती है कि वह खींच रही है। प्रकाश बारी-बारी से मछली तथा हाथी पर पड़ता है। कुछ समय बाद हाथी थका हुआ - सा लगता है।)

हाथी : *(थक कर)* बाहर आओ... कृपया बाहर आ जाओ, ओ मछली!

मछली : *(बाहर आकर)* अब क्या है?

हाथी : *(थक कर)* मुझे एक जरूरी काम याद आ गया... मुझे जल्दी वापस जाना है। क्या हम इस प्रतियोगिता को स्थगित नहीं कर सकते? मुझे देर हो रही है।

(हाथी रस्सी छोड़ देता है और वापस जाने के लिए मुड़ता है।)

मछली : *(चिढ़ाते हुए)* क्या हुआ, जंगल के राजा! अब कौन ताकतवर है? हा! हा!

हाथी : *(जाते हुए)* अच्छा! मैं इस समय जल्दी में हूं। हम किसी और समय इसका निर्णय करेंगे।

(झाड़ियों में से शेर हँसता हुआ बाहर निकलता है। हाथी उसे देखता है और एक क्षण के लिए रुक जाता है)

शेर : *(हाथी से)* क्यों महाराज! क्या हुआ?

हाथी : *(भाग कर जाते हुए)* कुछ नहीं... कुछ नहीं। *(हाथी मंच से चला जाता है)*

शेर : *(हंसते हुए)*... वाह भई... वाह! कहता तो है खुद को जंगल का राजा! पर हार गया एक छोटी सी मछली से... वाह भई वाह! *(दर्शकों की ओर देखते हुए)* आप एक बात याद रखना, बलवान से अकलवान ज्यादा ताकतवर होता है।

मछली : *(गर्व के साथ)* हां! बिल्कुल ठीक कह रहे हैं आप!

(मछली और शेर हंसते हैं)

(पर्दा गिरता है)

(The fish calmly holds the other end of the rope and pretends to pull. The lights alternately fall on *the fish and the elephant. After some time the elephant seems to be exhausted.)*

ELEPHANT : *(Exhausted)* Come out... Please come out, O fish.

FISH : *(Coming to the surface)* Now what?

ELEPHANT : *(Exhausted)* I just remembered some very urgent work. .. I have to hurry back. .. Can't we postpone this contest. I am getting late.

(The elephant leaves the rope and turns to go).

FISH : *(Sarcastically)* What happened, king of the jungle? Now who is more powerful? Ha! ha!

ELEPHANT : *(Going)* Well! I am in a hurry now. We will decide some other time. *(The lion comes out laughing from the bushes. The elephant sees him and stops for* a *moment.)*

LION : What happened, Your Highness?

ELEPHANT : *(Hurrying out)* Oh! Nothing really! *(The elephant leaves the stage)*

LION : *(Laughing)* He calls himself the king of the jungle. And here he goes, defeated by a small fish. Ha! ha!

(turning towards the audience)

Remember friends,

They win who use their brain, not those who use their brawn.

FISH : *(Proudly)* Well! of course.

(The fish and the lion laugh)

(CURTAIN)

महानिदेशक, सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
15-ए, सेक्टर 7, द्वारका,
नई दिल्ली - 110075 द्वारा प्रकाशित

अरावली प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स (प्रा.) लि.,
डब्लू - 30, ओखला इन्डिस्ट्रयल एरिया, फेस 2,
नई दिल्ली-110 020 द्वारा मुद्रित

Published by Director General
Centre for Cultural Resources and Training
15-A, Sector 7, Dwarka,
New Delhi - 110075

Printed at
Aravali Printers & Publishers (P.) Ltd.
W-30, Okhla Industrial Area, Phase - 2
New Delhi - 110020

चित्र व आलेख : विजय परमार
Illustrations and text : Vijay Parmar